

**PAPER-III**  
**PERFORMING ARTS**

**Signature and Name of Invigilator**

1. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_
2. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--	--

  
(In figures as per admission card)

Roll No. \_\_\_\_\_  
(In words)

**J 6 5 1 1**

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 40

Number of Questions in this Booklet : 19

**Instructions for the Candidates**

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

**No Additional Sheets are to be used.**

- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
  - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
  - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
- Read instructions given inside carefully.
- One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- Use only Blue/Black Ball point pen.
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।  
**इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।**
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
  - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
  - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि वे पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
- किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

**PERFORMING ARTS**

**रंगमंचीय कलाएँ**

**PAPER-III**

**प्रश्नपत्र-III**

**Note :** This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**नोट :** यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

**SECTION – I**

**खंड – I**

**Note :** This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

**नोट :** इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. What is the contribution in India of University Dance Departments w.r.t. performance, creativity, scholarship and research in dance ?

प्रस्तुतिकरण, सृजनात्मकता, विद्वत्ता एवं अनुसंधान के प्रसंग में भारत में विश्वविद्यालयी नृत्य विभागों का नृत्य के क्षेत्र में क्या योगदान है ?

**OR / अथवा**

Hindi theatre has become a theatre of translations and instead of original Hindi plays the translations rule the roost everywhere. Do you agree ? Why ?

हिंदी थिएटर अनुवादों का थिएटर बन गया है और मौलिक हिंदी नाटकों की अपेक्षा अनुवादों का ही सभी स्थानों पर आधिपत्य है । क्या आप इस मत से सहमत हैं ? क्यों ?







2. What is the status of your dance style in India today in terms of format, performance, pedagogy and research ? Write with examples.

भारत में आपकी नृत्य शैली के रूप, प्रस्तुति, शिक्षा और अनुसंधान की दृष्टि से क्या स्थिति है ? सोदाहरण लिखिए ।

**OR / अथवा**

Theatre should not mirror reality but should transcend the common place of everyday life by deliberately exaggerating and distorting reality through stylized theatrical techniques. Justify the statement in the context of the landmarks in the Experimental theatre movement in the Western countries.

‘थिएटर द्वारा यथार्थ का प्रतिबिम्ब नहीं होना चाहिए अपितु इसे थिएटरी तकनीकों की विशिष्ट पद्धतियों से सामान्य जीवन को बढ़ा-चढ़ा कर अथवा विकृति से परमोत्कृष्ट पर दिखाया जाए ।’ पश्चात्य देशों में प्रयोगात्मक थिएटर की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण एवं विशिष्ट प्रस्तुतियों के प्रसंग में उपरोक्त कथन का औचित्य बतलाइए ।









## SECTION – II

### खंड – II

**Note :** This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only **one** elective/specialization and answer all the **three** questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

**नोट :** इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल **एक** ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी के **तीनों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

### Elective – I

### ऐच्छिक – I

### DANCE

### नृत्य

3. What is essential and absolutely must to be an excellent dance performer ?  
कुशल नृत्य कलाकार बनने के लिए अनिवार्य एवं अत्यन्त आवश्यक क्या है ?
4. What is research based choreography in Dance ? Describe at least two which you may have watched / read or participated in.  
अनुसंधान आधारित नृत्य संरचना क्या है ? ऐसी किन्हीं न्यूनतम दो नृत्य संरचनाओं का वर्णन कीजिए जिनमें आपने भाग लिया हो अथवा देखा हो ।
5. After an extensive classical dance training, would you want to do choreography in films ? Support your answer with reasons.  
विस्तृत शास्त्रीय नृत्य का शिक्षण प्राप्त करने के पश्चात क्या आप फिल्मों में नृत्य संरचना करना चाहेंगे ? अपने उत्तर के पक्ष में युक्तियाँ दीजिए ।

### OR / अथवा

### Elective – II

### ऐच्छिक – II

### DRAMA/THEATRE

### नाटक/रंगमंच

3. Discuss three-tired plot structure of Sanskrit Drama with suitable examples.  
संस्कृत नाटक में त्रि-स्तरीय वस्तु संरचना की सोदाहरण चर्चा कीजिए ।
4. How the major playwrights of your region have dramatized the mythological narratives in the Post Independence Era ?  
आपके क्षेत्रीय प्रमुख नाटककारों ने मिथिक उपाख्यानों को, स्वातन्त्र्योत्तर युग में, किस प्रकार नाटकीय ढंग से अभिव्यक्त किया है ?

5. Can theatre exist without dramatic text ? Justify the answer with proper examples.  
क्या थिएटर, नाटकीय पाठ्य भाग के बिना अस्तित्व में रह सकता है ? अपने उत्तर को सोदाहरण उचित ठहराए ।















### SECTION – III

#### खंड – III

**Note :** This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

Answer the questions according to your specialization.

**नोट :** इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

अपनी विशेषज्ञता वाले विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए ।

#### DANCE

#### नृत्य

6. Why is it important for dancer to study epics, puranas etc in detail ?  
नर्तक के लिए महाकाव्यों, पुराणों इत्यादि का विस्तृत अध्ययन क्यों आवश्यक है ?

7. As per Natyashastra, define Nātya, Nritta, Tāṇḍava and Mārgi.  
नाट्य शास्त्र के अनुसार नाट्य, नृत्य, तांडव और मार्गी की परिभाषा दीजिए ।

8. Describe any four Indian dance choreographic works which deal with women centric (gender) issues.

किन्हीं चार भारतीय नृत्य की कोरिओग्राफिक संरचनाओं का वर्णन करे जो स्त्री-केंद्रित हो ।

9. What is the aim and purpose of Nātya according to Bharata ?

भरतमुनि के अनुसार नाट्य का ध्येय और मन्तव्य क्या है ?

10. List four Talas with their bols, used in your dance style. Write one Jathi / Tirmanam / Toda in notation.

आप की नृत्य शैली में प्रयुक्त होने वाले चार तालों को 'बोल' सहित लिखिए । ताल लिपि के लिए एक जती / तीरमानम् / तोड़ा लिखिए ।



13. Which is the most popular classical Indian dance style ?  
भारत की सर्वाधिक लोकप्रिय नृत्य शैली कौन सी है ?

14. Describe : Noh, Wayang Wong, Khon, Kandyan dance.

नोह, वयंग, वांग, खोन, केण्डयन नृत्यों का विवरण दीजिए ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**OR / अथवा**

**DRAMA / THEATRE**

**नाटक / रंगमंच**

6. How the ancient concepts of Vritti, Pravritti and Dharmi are associated with Abhinaya ?

वृत्ति, प्रवृत्ति और धर्मी की पुरातन अवधारणाएँ अभिनय से किस प्रकार सम्बद्ध हैं ?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



7. Why the plays of Bertolt Brecht can easily be adapted for the Indian Theatre ? Justify on the basis of various adaptations of Brechtian plays in your language or in the modern theatre of your region.

बेरटाट ब्रेकट के नाटकों को भारतीय थिएटर के लिए इतनी सरलता से क्यों रूपान्तरित किया जा सकता है ? आपकी भाषा अथवा आप के क्षेत्र के आधुनिक थिएटर के लिए किये गए ब्रेकट के नाटकों के रूपान्तरणों के आधार पर इस कथन का औचित्य लिखिए ।

8. 'While directing the play the director goes beyond the text.' Justify with ref. to the process of play production.

“नाटक का निर्देशन करते हुए निर्देशक नाटक के मूल पाठ से कहीं आगे निकल जाता है ।” नाटक प्रस्तुति की प्रक्रिया के संदर्भ में इस कथन का औचित्य लिखिए ।

9. The actor should evolve his own method after studying various schools of acting. Do you agree ? Why ?

अभिनय के विभिन्न सिद्धान्तों का अध्ययन करने के पश्चात अभिनेता को अभिनय का अपना ढंग विकसित करना चाहिए । क्या आप सहमत हैं ? क्यों ?

10. A significant pioneering effort for distinctively Indian theatrical expression was made by Rabindranath Tagore early in the century. Justify.

रवीन्द्रनाथ टैगोर ने इस सदी के आरम्भ में विशिष्ट भारतीय रंगमंचीय अभिव्यक्ति के लिए एक महत्त्वपूर्ण एवं अग्रणीय प्रयास किया था । औचित्य बतलाइए ।

11. Write a short note on the role of IPTA in the development of modern Indian theatre.  
आधुनिक भारतीय थिएटर के विकास में इप्ता की भूमिका पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

12. Discuss the use of mask in Indian Traditional Theatre.  
भारतीय पारम्परिक थिएटर में मुखौटों के प्रयोग की चर्चा कीजिए ।

- 
- 
- 
- 
- 
13. It is very necessary to introduce theatre into the educational mainstream for generating greater interest and awareness for the theatre, to improve tests and standards, to create not only future performers and technicians but also serious audiences. Elaborate your views.

शिक्षा की मूल धारा में थिएटर की पढाई का प्रवेश इसलिए आवश्यक है कि थिएटर के प्रति और अधिक रूचि और जागरुकता को पैदा किया जा सके और थिएटरों के परीक्षणों और मानकों में सुधार लाने के लिए ऐसा करना आवश्यक है । केवल भावी अभिनेताओं और शिल्पियों को ही नहीं अपितु गम्भीर श्रोताओं को पैदा करने के लिए ऐसा करना आवश्यक है । अपने विचारों की व्याख्या कीजिए ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

14. What should be the role of State Academies and Central Sangeet Natak Academy in promotion of experimental theatre movement ?  
प्रयोगात्मक थिएटर आन्दोलन को प्रोत्साहन देने में राज्य अकादमियों और केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी की क्या भूमिका होनी चाहिए ?

**SECTION – IV**  
**खंड – IV**

**Note :** This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words. Answer the questions according to your specialization. **(5 × 5 = 25 marks)**

**नोट :** इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । अपने विशिष्ट अध्ययन में से प्रश्नों का उत्तर दीजिये । **(5 × 5 = 25 अंक)**

**DANCE**  
**नृत्य**

The miming aspect of natya termed angikabhinaya in the Natyasastra is also an integral part of dancing; the principles which govern the technique of angikabhinaya in natya also govern the technique of nritya or what is termed as just abhinaya in

dancing. The dancer employs the body and its limbs for expression; the vachikabhinaya of natya where the actors themselves use speech, is replaced by the music which accompanies the dance. In the nritta portion, the musical accompaniment utilizes melody in a given tala (metrical cycle) and the improvisations on the basic tala are interpreted through movement. In the abhinaya portion the musical accompaniment mostly consists of poetry, lyrical or narrative, set to music and rhythm. It is this poetry which is interpreted by the dancer; the interpretation (specially in the solo dancing of all the classical styles) comprises a portrayal of the various samchari bhavas of the particular sthaya bhava. This is achieved through a series of variations of the angikabhinaya, each word of the poetry being interpreted in as many different way as possible. The principal of natyadharmi, tells us that, if the same actor assumes a different role (in the same play) then it is natyadharmi.

(Dr. Kapila Vatsyayan)

नाट्य का प्रहसनिक पक्ष, जिसे नाट्य शास्त्र में आंगिक अभिनय कहा गया है, वह नृत्य का अविभाज्य अंग होता है। नाट्य में वे सिद्धान्त जो आंगिक अभिनय की तकनीक का संचालन करते हैं वही नृत्य की तकनीक को भी अथवा इसे नृत्य में बस अभिनय ही कहा जाता है। नर्तक अभिव्यंजना के लिए काया और कायिक अंगों का सहारा लेता है। नाट्य में जहाँ अभिनेता स्वयं भाषा का प्रयोग करते हैं मगर नृत्य में, इसके स्थान पर इसका साथ संगीत देता है। नृत्य के भाग में, संगीत सहवादक विशिष्ट ताल (छन्दबद्ध चक्र) में तथा मूलताल में की गई आशु रचना को गति के माध्यम से व्याख्यित किया जाता है। अभिनय भाग में मुख्यतया कात्य, गेय अथवा वर्णनात्मक संगीत अनुसंगी के रूप में रहते हैं जिन्हें संगीत और लय में बांध लिया जाता है। इसी काव्य की नर्तक व्याख्या करता है। इस व्याख्या में (शास्त्रीय शैलियों में विशेषकर एकल नृत्य में) किसी विशेष स्थायी भाव के विभिन्न संचारी भावों को प्रदर्शित करता है। इसे आंगिक अभिनय में अनेकों व्यतिक्रमों द्वारा सम्पन्न किया जाता है। काव्य के प्रत्येक शब्द की प्रत्येक सम्भव विभिन्न ढंगों से व्याख्या की जाती है। नाट्य धर्मा का सिद्धान्त हमें यह बतलाता है कि यदि एक ही अभिनेता उसी नाटक में कोई अन्य भूमिका को निभाता है, तो यह नाट्य धर्मा कहलाता है।

15. What is the Vachika Abhinaya for dance ?

नृत्य में वाचिक अभिनय क्या होता है ?

- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
16. How is poetry interpreted by a dancer ?  
नर्तक नृत्य में कविता की व्याख्या कैसे करता है ?

- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
17. What is Natyadharmi according to Bharata ?  
भरत के अनुसार नाट्यधर्मी क्या है ?



- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
18. What is an integral part of dancing ?  
नृत्य का अविभाज्य अंग क्या है ?

- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
- 
19. What is special for a solo classical dancer ?  
एकल शास्त्रीय नर्तक के लिए क्या विशिष्ट होता है ?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**OR / अथवा**

**DRAMA / THEATRE**

**नाटक / रंगमंच**

**Theatre Criticism**

Theatre criticism in the modern sense is a comparatively new phenomenon in India and significant critical writing on theatre is still very meagre. One of the reasons for such a situation is the very uneven development of theatre in different regions of India, as also the absence of a regular or sustained theatre activity, except in one or two out of more than 15 major languages of the country. But more than anything else, it is the extreme diversity of the theatrical forms prevalent in India which makes theatre criticisms here so unsure and complicated. The contemporary Indian theatre scene has at least four major streams : (1) the Western style including the Shakespearean, realistic, Absurdist, Brechtian and the generally non-representational performances of plays original as well as translations or adaptations from the Western dramatists ; (2) the modern performances based on the non-classical indigenous theatre forms ; (3) the contemporary presentations of the classical Sanskrit plays in the original or in any of the modern Indian languages; (4) presentations of the various traditional theatre forms in different regions. Each one of these theatre streams needs a different kind of critical approach. But it is the productions of the modern or classical plays written and staged with components from the Indian theatrical tradition that the theatre criticism is really at sea. This is mainly a development of the last two

decades but encompasses some of the most exciting theatrical work in the country including that of directors like B.V. Karnath, Kavalam Narayan Panikkar, Habib Tanvir, Ratan Thiyam and many others.

Nemichandra Jain (1988)

### नाटक / रंगमंच थिएटर आलोचना

आधुनिक अर्थों में थिएटर आलोचना भारत में अपेक्षतया नवीन है और थिएटर पर अब भी महत्वपूर्ण आलोचनात्मक कार्य की बहुत कमी है। प्रथमतया, ऐसी स्थिति के लिए कारण यह है कि थिएटर का भारत के विभिन्न क्षेत्रों में असमतल विकास हुआ है और इसके साथ-साथ देश की 15 प्रमुख भाषाओं में से एक दो को छोड़ कर, नियमित एवं निरन्तर थिएटर सम्बन्धी गतिविधियों का अभाव रहा। मगर इन कारणों से भी बढ़कर यह कारण रहा कि भारत में थिएटरी रूपों की पूर्ण विविधता है जो थिएटर आलोचना को इतना अविश्वसनीय और उलझावपूर्ण बनाता है। समकालीन भारतीय थिएटर की कम से कम चार मुख्य धाराएँ हैं :- (1) पाश्चात्य प्रकार जिसमें शेक्सपियरीयन, यथार्थक, विसंगतिवादी, ब्रेक्टियन और साधारणतया पाश्चात्य नाटककारों के मूल, अनूदित अथवा रूपान्तरित नाटकों की प्रस्तुतियाँ आती हैं; (2) गैर-शास्त्रीय देशीय रूपों पर आधारित आधुनिक प्रस्तुतियाँ; (3) शास्त्रीय संस्कृत नाटकों की मूल भाषा में अथवा किसी भी भारतीय आधुनिक भाषा में अनुवाद द्वारा आधुनिक प्रस्तुतिकरण, (4) विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न पारम्परिक थिएटर के रूपों में प्रस्तुति। इन में से प्रत्येक थिएटरी धारा की प्रस्तुति के लिए विभिन्न प्रकार का आलोचनात्मक दृष्टिकोण चाहिए। परन्तु आधुनिक अथवा शास्त्रीय नाटक जिन्हें भारतीय थिएटर की परम्परा के अनुसार लिखा और मंचित किया गया, इस संदर्भ में अधिक आलोचना नहीं की गई है। जबकि यह विकास पिछले दो दशकों में हुआ है, और इसके घरे में देश के भीतर हुए थिएटर में उत्तेजनापूर्ण कार्य हुआ है जिसमें बी.वी.कारथ, कावलम् नारायण पणिकर, हबीब तनवीर, रत्न थियाम सरीखे अन्य बहुत से निर्देशक आ जाते हैं।

15. Why critical writing on theatre is very meagre ?

थिएटर पर आलोचनात्मक रचनाएँ इतनी कम क्यों हैं ?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

16. Which is the main reason for such situation ?

इस स्थिति के लिए मुख्य कारण क्या है ?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

17. Which are major streams prevalent in the contemporary Indian theatre scene ?  
Mention in brief.

समकालीन भारतीय थिएटर में प्रमुख प्रचलित धाराएँ कौन सी हैं ? संक्षेप में लिखिए ।

18. Which stream poses serious problems in theatre criticism ?

थिएटर आलोचना के लिए कौन सी धारा गम्भीर समस्याएँ खड़ी करती है ?

---

---

---

19. Which are the most significant productions of each director mentioned in the above paragraph ?

उपरोक्त गद्यांश में चर्चित निर्देशकों की महत्त्वपूर्ण प्रस्तुतियों के बारे में लिखिए ।

**Space For Rough Work**

<b>FOR OFFICE USE ONLY</b>	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation)

Date .....